**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Need to set up Kendriya Vidyalayas in Santhal Pargana region of Jharkhand- Laid

**डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा):** धन्यवाद, सभापति महोदया । मेरा विषय अंग्रेजी में है, मैं उसका हिन्दी अनुवाद पढ़ना चाहता हूं । …(व्यवधान)

**माननीय सभापति:** नहीं, पर आपका हिन्दी अनुवाद बिल्कुल लाइन बाई लाइन ठीक होना चाहिए ।

**डॉ. निशिकांत दुबे:** मैडम, यह लाइन बाई लाइन ही होगा ।

**श्री अधीर रंजन चौधरी:** लेकिन इंग्लिश पढ़ने में क्या हर्ज है?

**माननीय सभापति :** यह झारखण्ड का मामला है ।

…(व्यवधान)

**माननीय सभापति :** आप बैठिए । यह बात आप भी समझते हैं, मैं भी समझती हूं, उनको इसे अपने क्षेत्रवासियों को समझाना है । उनको हिन्दी में पढ़ने दीजिए ।

**डॉ. निशिकांत दुबे:** धन्यवाद, सभापति महोदया ।

झारखण्ड राज्य दो इलाकों – संथाल परगना और छोटा नागरपुर को मिलाकर बना है । जो मेरा इलाका है – संथाल परगना, उसमें नक्सलवाद प्रभावी है और इस कारण से जो नकारात्मक शक्तियां हैं, वे वहां के लोगों को बाध्य करती हैं अपने ही गृह क्षेत्र में होमलैण्ड से डिटैच होने के लिए । वहां की जो सामाजिक और आर्थिक स्थितियां हैं, संथाल परगना की जो समस्याएं हैं, वहां एग्रीकल्चर उनका मेन काम है । वहां जो आबादी है, उसमें सबसे बड़ा हिस्सा कृषकों का है और इसके लिए मैंने हमेशा सरकार से आग्रह किया है कि एक

कांप्रेहेंसिव प्लान बने, जिसमें उसमें विशेष राज्य का दर्जा नहीं देते हुए भी, विशेष इम्फैसिस देते हुए, वहां के लोगों के लिए एक ऐसी अपॉर्चुनिटी डेवलप की जाए, जो इम्प्लायमेंट फ्रेण्डली हो । इस तरह का एजुकेशन सिस्टम डेवलप किया जाए, जिससे वहां के लोगों को रोजगार मिल सके । संथाल परगना छः जिलों – देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहबगंज और दुमका को मिलाकर बनता है । वहां का जो सामाजिक परिवेश है, जो शैक्षणिक परिवेश है, जो आर्थिक परिवेश है, वह उन सभी को बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट बनाता है और इसलिए भारत सरकार ने उसको एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट बनाया है । यदि वहां की सांख्यिकी को देखें, यदि वहां के इंडिकेशन्स को देखें, चाहे वह हेल्थ का सवाल हो, शिक्षा का सवाल हो, साक्षरता का सवाल हो या लोगों की आय का सवाल हो, वे सभी एक खराब सी पिक्चर देते हैं कि पूरा देश आगे जा रहा है, लेकिन संथाल परगना पीछे है ।

आपको पता है कि झारखंड अमीर राज्य है । यहां 40 परसेंट माइन्स और मिनरल्स हैं, लेकिन इसके बावजूद भी यहां के लोग गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने को मजबूर हैं । अशिक्षा के कारण गरीबी है और उन्हें जानकारी न होने के कारण कम लिट्रेसी रेट और पुअर स्कूल अटेंडेंस है । शिक्षा के लिए कम विद्यार्थी स्कूल जा रहे हैं और इसके लिए बड़ी संख्या में बच्चे ड्राप आउट हो रहे हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि हमारे यहां तीन जिलों में जरमुंडी जो दुमका जिले में, देवधर जो एक जिला है और महगामा जो गोड्डा जिले में है, संथाल जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की जाए, जिससे कि वहां के बच्चे पढ़ सकें ।